

NBSSLUP's Hindi fortnight begins



Dr NG Patil and Dr Suchismita Mishra lighting the lamp.

■ Staff Reporter

INAUGURAL ceremony of Hindi Fortnight was held at ICAR – National Bureau of Soil Survey and Land Use Planning (NBSSLUP), Nagpur on Friday.

The programme was chaired by Director Dr NG Patil. Chief guest on this occasion was Dr Suchismita Mishra, Professor and Head of History Department at VMV College, Nagpur.

In her speech, Dr Mishra referred to the ancient Vedic texts and described Hindi as a descendent of Sanskrit. She also mentioned significant

global ubiquity of Hindi. In his address, Patil underlined the importance of Hindi for nation building through his empirical illustrations. He said Hindi is necessary to unite nation, it is absolutely necessary to have it as national language. Hindi has served as sacred thread that connects different regions of Bharat since long. On this occasion, Director appealed to all the employees to do most of their work in Hindi. All the scientists and officials of the Bureau were present. The programme was co-ordinated by Dy Director, Official Language, Devendra Kumar Dharam.

पखवाड़ा... राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी की सर्वव्यापकता : डॉ मिश्र

नागपुर। भाकृअनुप-राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, नागपुर में हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन समारोह निदेशक डा एन जी पाटील की अध्यक्षता एवं वी एम वी महाविद्यालय में प्रोफेसर एवं इतिहास विभाग की अध्यक्ष डा सुचिस्मिता मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि मिश्रा ने प्राचीन वैदिक ग्रन्थों का उल्लेख करते हुए हिंदी को संस्कृत की उत्तराधिकारिणी निरूपित किया। इसके साथ ही राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी की सर्वव्यापकता को उद्धृत किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में निदेशक पाटील ने अपने अनुभवजन्य प्रसंगों द्वारा राष्ट्रनिर्माण के लिए हिंदी के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र की अखंडता एवं अक्षुण्णता के लिए एक राष्ट्रभाषा का होना नितांत जरूरी होता है, जो किसी राष्ट्र को एकता के सूत्र में बांधे रख सके। हिंदी स्वाधीनता संग्राम के समय से ही इस पुनीत दायित्व का निर्वहन करती आ रही है। इस अवसर पर निदेशक द्वारा ब्यूरो के उपस्थित समस्त कार्मिकों से अपना अधिकाधिक कार्य राजभाषा हिंदी में करने का

आह्वान किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन उप निदेशक (राजभाषा) देवेन्द्र कुमार धरम द्वारा किया गया।

